543762

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या........................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा 2023-24

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी अनिवार्य

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 13.03.2024

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	5
2	5	20	
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	3	28	
11	3	29	
12	3	30	
13	3	31	
14	3	योग	
15	4	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	6	अंकों में	शब्दों में
17	6	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर.......453.......संकेतांक 25330

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1. ANSWER 1 :-

प्रश्न	उत्तर
i)	ब
ii)	अ
iii)	द
iv)	स
v)	अ
vi)	द
vii)	स
viii)	द
ix)	स
x)	ब
xi)	द
xii)	अ

12

2. ANSWER-2 :-

1 i) मौखिक भाषा को लिखित रूप के लिए लेखन चिह्नो का प्रयोग किया जाता हैं, उसे लिपि कहते हैं।

0 ii) 'दक्षता के लिए अंग्रेजी शब्द Skill हैं।

1 iii) 'नक्षत्र' हवा से बातें कर रहा हैं।' वाक्य में लक्षणा शब्द शक्ति हैं।

1 iv) जहाँ वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		हो, वहाँ ~~व्यंजना~~ विरोधाभास अलंकार है।
1	vi)	'भगवान भागें दुःख जनता देश की फूल-फले।' इस पंक्ति में निहित अलंकार अनुप्रास अलंकार है
1	iv)	जहाँ शब्दार्थ की व्यंजना अर्थ पर निर्भर होती हैं। उसका पर्याय रख देने पर भी अभीष्ट की पूर्ति हो जाती हैं वहाँ व्यंजना शब्द शक्ति हैं।
5		
	3.	ANSWER 3 :-
1	i)	व्यक्ति को अपने जीवन में सफल होने के लिए एक उत्तम लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।
1	ii)	नयन - आँख
1	iii)	फल की प्राप्ति पेड़ के मूल को सींचने से होगी।
1	iv)	उपेक्षा :- अपेक्षा
1	v)	लक्ष्य निर्धारित करना
1	vi)	" लक्ष्य ही जीवन हैं।"
6		
	4.	ANSWER - 4 :-

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	i)	कवि ने अन्य व्यक्तियो के अभाव को मिटाने की बात कही हैं।
1	ii)	जीवन में कवि ने खण्डहर से महल बनाने हेतु अदम्य विश्वास की आवश्यकता पर बल दिया हैं।
1	iii)	प्रलय - मेघ - भूचाल अदम्य व्यक्ति को देखकर शर्माते हैं।
1	iv)	जीवन के सुधार हेतु स्वंय पर विश्वास अर्थात आत्मविश्वास महत्व होता है।
1	v).	कवि ने अपने आप को मजदुर मानकर धरती पर स्वर्ग बनाने की बात कही हैं।
1	vi)	बादल - मेघ
6		
	10	ANSWER - 10
3		'नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो' पंक्ति के माध्यम से कवि ने सूर्योदय के सुन्दर क्षणो का चित्रण किया हैं कवि को नीले आकाश में सूर्य की श्वेत आभा देखकर ऐसा प्रतीत होता हैं मानो किसी गोरी युवती का शरीर स्वच्छ पानी में झिलमिला रहा हैं।
	11.	ANSWER - 11

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

माल बिछा रहता है, और उसका मन अडीग रहा है इस कथन के आधार पर लेखक के बाजारवाद की भावना है कि यदि बाजार की सजावट से को देखकर सभी आकर्षित होते है लेकिन जो व्यक्ति अपना लक्ष्य निर्धारित कर बाजार जाता है उस पर बाजार का जादू का कोई असर नहीं होता है। यदि मन भरा है तो जेब भरी हो या नहीं बाजार उसे आकर्षित नहीं कर पाता।

3

12. ANSWER -12

जब लेखक कविता लिखने, बनाने व गाने की ओर आकर्षित होने लगा तो अपनी दिनचर्या का कार्य करते समय भी कविताएँ बनाने लगा। बौंदलगर के द्वारा उसकी कविताएँ सुनने व उसकी गलतियो को सही करने पर लेखक का आत्मविश्वास और अधिक बढने लगा। अंततः वह फसलो, फूलो आदि पर तुकबन्दी करने लगा।

3

13. ANSWER- 13

मुअनजो-दडो एक साधन सम्पन्न शहर था जहाँ सभी निर्माण सुन्दर, सुनियोजित व मनोहारी रूप से किए गए थे। मोअनजो-दडो की सभ्यता और संस्कृति राजस्थान के समान है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वहाँ की सभ्यता राजपोषित न होकर समाज पोषित थी, वहाँ की राजतन्त्र, सैन्य बल नहीं था इस सभ्यता के लोग स्वंय अनुशासित थे। लेकिन वर्तमान में लोकतंत्र होते हुए भी लोगो के आपसी संबंध उचित नहीं होते है। वहाँ की चित्रकारी वर्तमान से भी सुन्दर व मनोहारी थी। वहाँ से मिले स्त्रोतो से ज्ञात होता है कि वहाँ के लोग तकनीकी न होकर कला सिद्द थे। ~~लेकिन वर्तमान~~ इस सभ्यता के खंडरो की सीढियो पर खडे होकर लेखक ने अनुभव किया कि कभी ये सीढियो उन लोगो को ऊँची मंजिलो तक ले जाती होगी क लेखक वर्तमान से इतिहास को जानने की कोशिश करता है।

3

14 ANSWER- 14

खेल पर लेखन करने वालो को बहुत सी जानकारिया होनी चाहिए जैसे कि वह जिस खेल पर लेखन करता है उसे उस खेल के बारे मे सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए कि कितने व्यक्ति खेल मे होते है किस प्रकार खेला जाता है आदि। उसका लेखन रोचक व दर्शको को आकर्षित करने वाला होना चाहिए। लेखन के आरम्भ में हेडिंग के रुप मे खेल का स्थान नाम भी लिखना तथा यदि क्रिकेट, फुटबॉल आदि खेल है तो उनमे प्राप्त रनो को भी अंकित करना। खेल के विजेता का नाम भी Sub Heading के तौर पर लिखना उचित सरल व सहज भाषा का प्रयोग करना इससे भी महत्त्वपूर्ण भाषा ज्ञान होना चाहिए लिखने उचित ध्यान रखना चाहिए अत्याधिक कठिन भाषा का प्रयोग नही कर पाठको के समझ अनुसार भाषा का प्रयोग

3

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

करना चाहिए अन्य और भी लेखन जानकारी पत्रकार को होनी चाहिए।

15. ANSWER - 15 लेखक परिचय

फनीश्वर नाथ रेणु

फनीश्वर नाथ रेणु का जन्म सन 1921 में हुआ था।
रेणु जी ने अपनी शिक्षा आधी ही छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पडे इन्होने बहुत से आन्दोलनो में अपनी भागीदारी दिखाई -

साहित्यिक विशेषता :-

(i) रेणु जी साहित्य के क्षेत्र से तो जुडे थे लेकिन साथ ही साथ राजनैतिक व सामाजिक कार्यो में भी इनका विशेष योगदान था।

(ii) 1954 में प्रकाशित आँचलिक उपन्यास "मैला आँचल" से ये साहित्य क्षेत्र में और अधिक लोकप्रिय हो गये।

(iii) इस उपन्यास के बाद ही साहित्य में आंचलिक उपन्यासो पर विचार - विमर्श होने लगा।

(iv) इन्होने रचना में नायक की जगह अंचल को ही नायक बना दिया।

(v) जब स्वतंत्रता के बाद सभी का ध्यान विकास की ओर केन्द्रित था तब इन्होने अपनी समस्या सबके सामने रखी।

(vi) इनकी भाषा की सार्थकता बोली के साहचर्य

4

7

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मे प्रकट होती हैं।

प्रमुख रचनाएँ :-

उपन्यास - परती परी कथा, जुलूस, "मैला आँचल", जौसह कितने चौराहे।

निबंध - आग्नि शत्रि की महत्व, अग्निखोर, ठुमरी।

मृत्यु - सन् 1977 में।

16 ANSWER-16

मैं जला हृदय .... लिए फिरता हूँ।-

कठिन शब्द :- दहा - जलना, भवसागर - संसार, यौवन - जवानी उन्माद - पागलपन।-

संदर्भ:- कवि - हरिवंश राय बच्चन।

कवि परिचय जन्म 1907 व मृत्यु 2003 मुम्बई।

प्रसंग :- उक्त पंक्तियो के माध्यम से कवि ने सांसारिक मनुष्य पर व्यंग्य किया तथा स्वंय की दशा को प्रस्तुत किया है।

व्याख्या :- कवि कहते हैं कि मैं अपने हृदय में आग जला कर स्वंय उसमें जलता रहता हूँ। और मैं सदा सुख-दुःख हर परिस्थितियों में एक समान रहता हूँ सदैव मग्न रहता हूँ। ये सांसारिक मनुष्य इस संसार रूपी भवसागर को पार करने के लिए कर्म रूपी नाव का निर्माण कर रहे हैं लेकिन मे प्रेम की नाव से ~~स~~ ~~सु~~ समुद्र की लहरो पर मस्ती से तैर रहा हूँ। कवि कहते हैं कि मैं जवानी मे पागलपन लिए घुमता हूँ। लेकिन इस

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पागलपन में भी अपनो के वियोग व अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिये गये दुखो को लिए घूमता हूं ।- वे मुझे बाहर से तो हसाँती हैं। मगर भीतर से रुलाती हैं। कवि कहते हैं कि मैं अपने मन मे किसी की याद लिए घूमता हूँ ।-

विशेष :- भाषा सरल सहज प्रवाहमय व विषयानुकूल हैं। तत्सम् व तद्भव शब्दो का प्रयोग किया गया है।.

गुण : माधुर्य गुण :- प्रेम की अभिव्यक्ति के कारण माधुर्य गुण की प्रधानता हैं।.

प्रसाद गुण : प्रस्तुत काव्य के सूखी लकड़ी के समान जो जल्द मन को प्रभावित करते हैं और तुरन्त समाप्त हो जाते है।.

रीति :- वैदर्भी रीति तथा पांचाली रीति।.

अलंकार - विरोधाभास :- कवि ने सांसारिक मनुष्य के प्रति विरोध प्रकट किया है।.

अनुप्रास :- काव्य में एक ही वर्ण की आवृति हुई हैं अतः अनुप्रास की प्रधानता है।.

6

17. ANSWER - 17

यह मैंने भक्तिन के प्रस्तुत .... उड़ा दिया।.

कवि - महादेवी वर्मा जन्म 1907 उत्तरप्रदेश मृत्यु 1987।.

प्रसंग :- उक्त पंक्तियो में लेखिका ने भक्तिन चतुरता व उसके प्रति प्रेम को व्यक्त किया है।.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या :- एक बार जब लेखिका भक्तिन को अवकाश देने से मना कर देती हैं उस घटना के बारे में लेखिका ने भक्तिन की व्यवहारिक विशेषताओ को बताया है। भक्तिन ने मुँह फेर कर लेखिका के कान मे धीरे धीरे बताया कि उसके पास कुछ रुपये बचाये हुए रखे हैं उसने कहा उसके पासा पास पाँच बीसी और पाँच रुपये छुपाये हुए हैं उससे वह सारा प्रबंध कर लेगी। जब सारी लड़ाई खत्म होगी और सब ठीक हो जाएगा तो वह वापस लौट आएगी। भक्तिन कंजूस से पुंजीपति बन गयी और उसके प्राण पर्वत के आकार के होने गये और कुछ ही क्षण में उसकी उदारता को डाइनामाइट ने नष्ट कर दिया।

6

विशेष- भाषा - हिन्दी खडी बोली है।
जो सरल सहज प्रवाहमय व विषयानुकूल है।
अलंकार - अनुप्रास अलंकार ।
सहज भाषा के साथ शब्दो की अलंकारिता का प्रयोग ।

5. ANSWER- 5.

पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं।

(i) आंशिक पत्रकार
(ii) फ्री पत्रकार
(iii) पूर्ण पत्रकार

2

पत्रकार - जो समाज में घटित हो रही घटनाओं को अनेक माध्यमो द्वारा आम जनता तक पहुँचाता हैं।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

3·18

कर्मचारी चयन बोर्ड

दिल्ली

पत्रांक संख्या - क.च.बो /1003-1005/ 2023-24 दिनांक - 24/5/2024

विज्ञप्ति

दिल्ली सरकार द्वारा कर्मचारी के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित करने हेतु आवेदन शुरु नही किये गये हैं अतः निवेदन है कि यह आवेदन जल्द ही प्रारम्भ हो ताकि सभी आवेदन भर सके।

4

भवदीय

Kmk

हस्ताक्षर - किशन लाल

समस्त विभागाध्यक्षो गे

BSER-177 2024

ANSWER-6

रात की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारती थी क्योंकि जब जब सारा गाँव भर्यात शिशु की तरह काँप रहा था सभी रात के अंधेरे से डरकर डरकर घरो में बैठे रहते थे तब सिर्फ पहलवान की ढोलक ही उनमें संजीवनी औषधि का कार्य करती थी।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

7 **ANSWER- 7**

(2)

'बादल राग' कविता में बादलों को क्रांति का प्रतीक बताया गया है कवि कहते हैं कि बादलों की गर्जना सुनकर पूँजीपति घबरा रहे हैं जबकि शोषित और पीड़ित वर्ग के लोगों में प्रसन्नता की लहर उठ रही हैं। क्योंकि बादलों से वर्षा होगी और वर्षा से अच्छी फसल प्राप्त होगी।

8 **ANSWER- 8**

(2)

सिंधु घाटी सभ्यता के प्राप्त स्रोतों से पता चलता है कि यह सभ्यता तकनीकी सिद्ध न होकर कला सिद्ध थी यहाँ की चित्रकारी, वनस्पति, फूल, वृक्ष आदि से ज्ञात होता है कि यहाँ बहुत ही शौकिया कलाकार थे। क्योंकि इस सभ्यता के घर, दिवारे, सड़के, स्नानघर सभी सुनियोजित व कलात्मक रूप से बनाये गये थे।

9 **ANSWER- 9**

(2)

जूझ कहानी के लेखक के दादा बहुत अलग व पुरानी सोच के आलसी व्यक्ति थे उन्होंने सारा काम का बोझ लेखक पर डाल रखा था इसलिए उसे स्कूल नहीं जाने दिया। वह सुबह आराम से उठकर बाजार चले जाते खुले साँड की भाँति घूमते और सारा समय रखमाबाई के साथ व्यतीत करते थे यही उनकी दिनचर्या थी।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ANSWER - 19

निबंध

विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की महत्त्व

(i) प्रस्तावना
(ii) अनुशासन का महत्त्व
(iii) अनुशासन की उपयोगिता
(iv) अनुशासन विहिन जीवन
(v) उपसंहार

प्रस्तावना :- यदि हम अपने कार्यो में सफल होना चाहते हैं तो उसके लिए अनुशासन सबसे पहली सीढि होती हैं। यदि विद्यार्थी में तो अनुशासन शिक्षा के भांति महत्त्वपूर्ण हैं। अर्थात् यदि अनुशासन होगा तो ही एक विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर सकेगा।

अनुशासन का महत्त्व :- सिर्फ विद्यार्थी के जीवन मे ही अनुशासन महत्त्वपूर्ण नही होता अनुशासन तो सभी समाज के व्यक्तियो मे होना चाहिए। अनुशासन से ही व्यक्ति के व्यवहार की पहचान की जाती सके है।

अनुशासन की उपयोगिता :- अनुशासन तो विद्यार्थी के लिए बहुत उपयोगी हैं जैसा कि हम देखते हैं किसी भी महत्त्वपूर्ण दिवस पर अनुशासन के आधार पर विद्यालयो को विजयित किया जाता है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

यदि हम विद्यालय से कॉलेज में प्रवेश करते हैं वहाँ भी हमारा अनुशासन ही हमारी पहचान बनाता हैं। यदि विद्यार्थी स्वंय अनुशासित होगा तो किसी भी इंटरव्यू में अपने आप को अच्छे से प्रदर्शित करेगा साथ ही उचित पद पर नियुक्त होगा।

अनुशासन विहीन जीवन :- अनुशासन के बिना एक विद्यार्थी का जीवन लगभग अधूरा हैं। यदि अनुशासित ही नहीं होगा तो शिक्षा प्राप्त करने कठिनाई होगी शिक्षा से वंचित भी रह सकता हैं। क्योंकि और हो सकता हैं कक्षा उत्तीर्ण न कर सके तो विद्यालय से वंचित भी हो सकता हैं।

5

उपसंहार :- बिना अनुशासन के जीवन व्यर्थ हैं। अत: विद्यार्थियों को समय अनुसार स्वंय अनुशासित होना चाहिए। उसे अनुशासन के महत्त्व पता होने चाहिए। अत: एक आदर्श व सफल जीवन की पहचान ही अनुशासन हैं।

"समाप्त"

BSER-127/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSLR-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024